

14.12.21.

पत्रावली पेश हुई। बार-बार आवाज दिलवाये जाने के उपरान्त न अधिवक्ता अपी. और न स्वयं अपीलान्ट उपाक्षित आये। पत्रावली का अवलोकन किया। पत्रादि 14.12.17 से रेषो के सम्मन पेश करने काबल जैरकार है। आन्तिम अवसर भी दिये जा-चुके हैं। आज भी उपाक्षित नहीं हैं। अतः पत्रावली अदम एजरी, अदम-पैरवी न अदम तकमील में रवारिज की जाती हैं। पत्रा फैसल शुमार लेकर नम्बर से कम की जावे, बाक जादा कारखील दफतर ले।

सुभाष चन्द्र बोस
रसेन
अधिवक्ता वकील साक्षिकारी
राजपुरा केस-कीचपुत्र